**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या: 5277**

**जिसका उत्तर बुधवार, 02 अप्रैल, 2025 को दिया जाएगा**

**प्रयोगशालाओं की परीक्षण क्षमता**

**5277. श्री अरुण भारती:**

**क्या उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) योजना के अंतर्गत परीक्षण अवसंरचना को उन्नत करने तथा नई सुविधाएं सृजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाली कुल सरकारी प्रयोगशालाओं की संख्या कितनी है;

(ख) योजना के अंतर्गत वे विशिष्ट महत्वपूर्ण क्षेत्र कौन से हैं जिनमें नई सुविधाएं सृजित की गई हैं तथा प्रत्येक क्षेत्र के लिए कितना वित्तीय आबंटन किया गया है;

(ग) एनपीएल, एनटीएच तथा एफएसएसएआई जैसी प्रयोगशालाओं द्वारा दी जाने वाली परीक्षण क्षमता तथा सेवाओं की गुणवत्ता पर योजना का क्या प्रभाव है; और

(घ) इस योजना को अन्य प्रयोगशालाओं तक विस्तारित करने अथवा आगे प्रसार करने की भावी योजनाएं क्या हैं, साथ ही बजटीय आवंटन तथा अगले चरण के लिए समय-सीमा क्या है?

**उत्तर**

**उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री**

**(श्री बी. एल. वर्मा)**

(क) और (ख): परीक्षण अवसंरचना को उन्नत करने और नई सुविधाएं बनाने के लिए सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित बजटीय आवंटन के अलावा, उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा बीआईएस के स्वयं के कोष से सहायता प्राप्त एक स्कीम संचालित की गई है। परीक्षण अवसंरचना को उन्नत करने और नई सुविधाएं बनाने के लिए इस स्कीम के तहत वित्तीय सहायता के लिए 52 प्रयोगशालाओं से प्राप्त प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। वित्तीय आवंटन के साथ-साथ विशिष्ट महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परीक्षण सुविधा के निर्माण के लिए अनुमोदित प्रस्तावों का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ग) और (घ): प्रयोगशालाओं द्वारा दी जाने वाली परीक्षण क्षमता और सेवाओं की गुणवत्ता पर इस स्कीम के प्रभाव का आकलन स्कीम के तहत स्वीकृत परीक्षण सुविधाओं की संस्थापना और संचालन के बाद किया जा सकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस स्कीम ने एनटीएच द्वारा दी जाने वाली परीक्षण क्षमता और सेवाओं की गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव डाला है:

| क्रम सं. | मापदंड | 2020-21 | 2021-22 | 2022-23 | 2023-24 | 2024-25(फरवरी 2025 तक) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | परीक्षण किए गए नमूनों की संख्या | 15,120 | 15,057 | 18,198 | 28,639 | 42,325 |
| 2 | अर्जित राजस्व करोड़ रु में | 15.65 | 16.82 | 20.71 | 29.65 | 40.47 |

स्कीम के कार्यान्वयन के साथ इस अवधि के दौरान नमूना प्रवाह में सुधार के अलावा, सभी परीक्षण प्रक्रियाओं के लिए एक व्यापक ऑनलाइन समाधान की शुरूआत के साथ एनटीएच सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है, जिससे परीक्षण परिणामों की पता लगाने की क्षमता, सटीकता और विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है और ग्राहकों के बीच अधिक विश्वास उत्पन्न हुआ है।

सरकारी प्रयोगशालाओं को सहायता देने की यह स्कीम एक चालू स्कीम है। संगठनों से प्राप्त प्रस्तावों पर अनुमोदित दिशा-निर्देशों के अनुसार विचार किया जाता है। इस स्कीम के लिए कोई अलग से बजटीय मद आवंटित नहीं किया जाता है, क्योंकि इस स्कीम को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के स्वयं के फंड से सहायता दी जा रही है।

******

**अनुलग्नक**

**प्रयोगशालाओं की परीक्षण क्षमता के संबंध में लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 5277 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक**

**अनुमोदित प्रस्तावों की सूची इस प्रकार है:**

| **क्रम सं.** | **सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव** | **अनुमानित लागत** |
|---|---|---|
| 1 | वस्त्र समिति, पावरलूम सेवा केन्द्रों और भारतीय कपास निगम की 21 प्रयोगशालाओं में कपास फाइबर परीक्षण अवसंरचना सुदृढ़ीकरण प्रस्ताव | 38.72 करोड़ रुपए |
| 2 | जैविक खाद्य परीक्षण के लिए एफएसएसएआई की अधिसूचित खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ करने का प्रस्ताव, जिसमें 12 एफएसएसएआई अधिसूचित राज्य खाद्य प्रयोगशाला और अन्य सरकारी संगठनों के तहत काम करने वाली 12 एफएसएसएआई अधिसूचित प्रयोगशालाएं शामिल हैं | 116.25 करोड़ रुपए |
| 3 | राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला द्वारा एडवांसमेंट ऑफ मेट्रोलॉजी फॉर रिलाइबिलिटी, इंस्पेक्शन एंड टेस्टिंग (अमृत) का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया | तीन वर्ष की अवधि में 37.49 करोड़ रुपए |
| 4 | ई0 और ई1 श्रेणी के बाट के अंशांकन के लिए आरआरएसएल में अन्य उपकरणों के साथ रोबोटिक मास कॉम्पैरेटर्स की स्थापना का प्रस्ताव। आरआरएसएल में आवश्यक अवसंचना को सुनिश्चित करने के बाद चरणबद्ध तरीके से स्थापना की जानी है। | सभी 5 आरआरएसएल के लिए 100 करोड़ रुपए |
| 5 | एनटीएच जयपुर में ट्रांसफार्मरों की शॉर्ट सर्किट परीक्षण सुविधा सहित विद्युत पारेषण एवं वितरण क्षेत्रों के लिए एकीकृत परीक्षण सुविधा के निर्माण का प्रस्ताव | 50.11 करोड़ रुपए |
| **कुल** | | **342.57 करोड़ रुपए** |

*****